WOODS

6

हिंदी दर्पण

अध्यापक सहायक-पुस्तिका

हिंदी दर्पण–6

1. नई किरण

(क) 1. प्रहरी 2. सुरभि 3. धरती के 4. छाया 5. इन दोनों के **(ख)** हम प्रहरी ऊँचे हिमाद्रि के सुरभि स्वर्ग की लेते हैं, हम हैं शांति-दूत धरणी के छाँह सभी को देते हैं। **(ग)** हम सभी बालक वीरों को जन्म देने वाली माँ के नए प्रकाश हैं। हम सभी गंगा-यमुना, हिंद महासागर के रखवाले हैं। **(घ)** 1. आज के बालक धीर, वीर और गंभीर हैं। 2. बच्चों में अच्छे संस्कार माता-पिता द्वारा सिखाए अच्छे व्यवहार से आते हैं। 3. वीरों को जन्म देने वाली माँ को वीर प्रसू कहा जाता है। 4. प्रस्तुत कविता के रचयिता श्री रामधारी सिंह दिनकर हैं। 5. शिवाजी ओर राणा प्रताप ने अनेक कष्ट सहे लेकिन विदेशी आक्रांताओं के जुल्म के आगे नहीं झुके। **भाषा की बात–(क)** वीरता, झुकाव, धीरता, भलाई, नवीनता, गंभीरता **(ख)** आँधियारा, धूप, आकाश, अशांति, अधीर, प्राचीन, कायर, चल **(ग)** रोटियाँ, रखवाले, किरणें, आँखें, नदियाँ, नए **(घ)** स्वयं करें। **करने की बारी–**स्वयं करें।

2. छोटा जादूगर

(क) 1. कार्निवाल 2. जयशंकर प्रसाद 3. संपूर्णता 4. एक रुपया 5. तिरस्कार 6. माँ **(ख)** 1. शरबत 2. बिजली 3. आँखें 4. छुट्टी 5. उठकर **(ग)** 1. छोटे जादूगर ने लेखक से 2. लेखक ने छोटे जादूगर से 3. छोटे जादूगर ने लेखक से 4. छोटे जादूगर ने लेखक की पत्नी से 5. लेखक ने छोटे जादूगर से **(घ)** 1. उसके मुँह पर गंभीर विषाद के साथ धैर्य की रेखा थी। 2. छोटा जादूगर ताश के, बंदर, भालू, बिल्ली, गुड़िया, लट्टू के खेल दिखाकर अपना पेट भरता था। 3. छोटे जादूगर के पिता जेल में थे व उसकी माँ बहुत बीमार थीं माँ का इलाज कराने व अपना पेट भरने के लिए छोटे जादूगर को अल्पायु में ही जीविका-उपार्जन करना पड़ा। 4. उस दिन रंगमंच पर जादू का खेल दिखाते समय, जादूगर की वाणी में वह प्रसननता नहीं थी क्योंकि उसकी माँ ने उससे कहा था, कि आज तुरंत चले आना, मेरी घड़ी समीप हैं। 5. प्रस्तुत पाठ का सारयह है कि जिम्मेदारी व आवश्यकता व्यक्ति को छोटी उम्र में भी शीघ्र चतुर बना देती हैं। **भाषा की बात–(क)** ई = बनावटी, ता = आवश्यकता, आई = चतुराई, ईला = गर्वीला, ता = गंभीरता **(ख)** नव + जीवन = नवजीवन, बे + मन = बेमन, अप + मान = अपमान, स + बल = सबल, सु + रम्य = सुरम्य **(ग)** सबल, अधीर, अस्वीकार, अप्रसन्नता, सम्मान, खटास, अविश्वास, असहमत **(घ)** स्वयं करें। **करने की बारी–**स्वयं करें।

3. मंत्र-तंत्र

(क) 1. तीस 2. राजमहल के आँगने में 3. हाथ **(ख)** 1. बात 2. खुरपा, हँसुआ, कुदाल 3. पास जाकर 4. आदी 5. छोटा सा **(ग)** 1. क्योंकि वहाँ प्राय: गाँव के अधिकांश लोग आकर अपना समय व्यतीत करते थे। 2. सभी गाँववाले आमोद-प्रमोद के अनुगत हो गए। 3. स्वयं करें। **(घ)** 1. कुमार का आचरण अच्छा था। वह कभी जीव-हत्या नहीं करता था, दूसरे व्यक्ति की चीज़ न लेता था, झूठ नहीं बोलता था, कोई नशा नहीं करता था और दूसरों की स्त्री को माँ के समान समझता था। 2. सबके साथ एक जगह पहुँचकर कुमार ने एक स्थान को धूल-मिट्टी हटाकर साफ़ कर दिया। उस स्थान के साफ़ होते ही एक आदमी वहाँ आकर खड़ा हो गया। कुमार उससे कुछ न कहकर दूसरी जगह साफ़ करने लगा। इसके साफ़ होने पर वहाँ एक और आदमी आ धमका। इस तरह एक-एक जगह साफ़ करते-करते, वह एक-एक आदमी के लिए जगह

बनाता गया और अंत में उसने सबके लिए जगह बना दी। 3. कुमार की संगत में गाँववालों ने शराब पीना छोड़ दिया था, इससे मुखिया की आय बंद हो गई। वे शराब पीकर गलत काम करते थे जिससे मुखिया उन पर जुर्माना लगाकर धन कमाता था, उसकी यह आमदनी भी बंद हो गई थी। 4. कुमार ने गाँव वालों को राजा के बारे में समझाया ''देखो भाई, यह ठीक है, कि राजा अन्याय कर रहे हैं और यह भी सच है, कि हाथी हम लोगों को अभी मार डालेगा। पर, तुम लोग राजा पर क्रोध न करना। जैसे अपना शरीर हमें अच्छा लगता है और उससे हम जैसा प्रेम करते हैं, राजा के शरीर से भी हम लोगों का वैसा ही प्रेम होना चाहिए।'' 5. कुमार ने अपनी व गाँववालों की इन विशेषताओं को मंत्र के रूप में बताया ''महाराज, हम लोग कोई मंत्र-तंत्र नहीं जानते। हम तीसों आदमी जीव-हिंसा नहीं करते, दूसरे की चीज़ नहीं लेते, झूठ नहीं बोलते, और शराब भी नहीं पीते। सबको मित्र समझते हैं। जो हो सकता है, वह दान करते हैं। ऊँची-नीची ज़मीन को समान कर देते हैं। लोगों के लिए तालाब खोद देते हैं और घर बना देते हैं। महाराज! अगर हम लोग कोई मंत्र जानते हैं, तो बस यही मंत्र जानते हैं, और कोई मंत्र नहीं जानते।'' **भाषा की बात–(क) व्यक्ति**–मानव, मनुष्य **पुत्र**–सुत, तनय **स्त्री**–महिला, वनिता **माता**–जननी, माँ **राजा**–नरेश, नृप **दिन**–दिवस, वार **घर**–आवास, गृह **(ख)** मँगवाया, लड़कियाँ, जंगल, सँभावना, तंत्र, वहाँ, हँसुआ, गाँव **(ग)** स्वयं करें। **(घ)** ग्राम, गृह, उच्च, मित्र, अग्नि, हस्ति **(ङ)** स्वयं करें। **करने की बारी**–स्वयं करें।

4. हार की जीत

(क) 1. अपने लहलहाते खेत को 2. बादलों को 3. नगरीय 4. एक डाकू 5. डाकू खड्गसिंह की **(ख)** 1. चौथे पहर में बाबा भारती ने स्नान किया। 2. अस्तबल की ओर उनके पाँव ऐसे बढ़े जैसे कोई स्वप्न में चल रहा हो। 3. फाटक पर पहुँचकर उनको अपनी भूल प्रतीत हुई क्योंकि घोड़ा तो अस्तबल में था ही नहीं। 4. घोर निराशा से बाबा भारती के पाँव बहुत भारी हो गए थे। **(ग)** बाबा ने जब खड्गसिंह से अपने घोड़े की प्रशंसा की तो वह भी अन्य मानव के समान अधीर हो गया। उसका मन घोड़े की सवारी का हो गया। डाकू प्रबल था। वह अपनी पसंद की चीजों को छीन लेने की क्षमता रखता था। **(घ)** 1. बाबा भारती ने खड्गसिंह से सुल्तान की प्रशंसा इन शब्दों में की, ''विचित्र जानवर है। उसकी चाल तुम्हारा मन मोह लेगी। जो उसे एक बार देख लेता है, उसके हृदय पर उसकी छवि अंकित हो जाती है।'' 2. डाकू खड्गसिंह ने बाबा भारती को अपाहिज के वेश में धोखा दिया। 3. ''क्योंकि लोगों को यदि इस घटना का पता लग जाता, तो वे किसी दीन-दुःखी पर विश्वास न करते।'' 4. पश्चाताप के बाद डाकू खड्गसिंह बाबा का घोड़ा चुपचाप उनके यहाँ छोड़ आता है। 5. इस कहानी का मूल उद्देश्य यह है कि विवेकपूर्ण बातों व अच्छे कार्यों से बुरे से बुरे व्यक्ति का भी हृदय परिवर्तित हो जाता है। **भाषा की बात–(क)** प्रश्न, दिन, अविश्वास, अप्रसन्न, सावधान, असामान्य, धीर, अनधिकार **(ख)** स्वयं करें। **(ग)** 1. परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर रमेश फूल न समाया। 2. बाबा से अपने घोड़े से मुँह मोड़ लिया था। 3. घोड़े के चले जाने पर बाबा का दिल टूट गया। 4. बाबा के घोड़े को रेखकर डाकू के हृदय पर साँप लोटने लगा। 5. घोड़े की चाल पर बाबा लट्टू थे। **(घ) माँ**–जननी, अंबा **घोड़ा**–अश्व, घोटक **मुख**–मुँह, आनन **आँख**–नेत्र, नयन **साँप**–सर्प, भुजंग **पुत्र**–तनय, सुत **मनुष्य**–मानव, मनुज **करने की बारी**–स्वयं करें।

5. श्रीलंका की यात्रा

(क) 1. अनुराधपुर में 2. अशोक के पुत्र महेंद्र ने 3. राजमहेंद्री में 4. श्री रामोदारदास ने 5. अशोक वाटिका के लिए, जिसमें सीता कैद थीं। **(ख)** 1. लोगों ने बताया, कि पीपल का यह वृक्ष वही है, जिसे महेंद्र ने लाकर लगाया था। 2. बोधगया में जो महाबोधि का वृक्ष है, वह भी उस समय का नहीं है, पर उसी स्थान पर उसी वृक्ष का वंशज है। उसी तरह अनुराधपुर का महाबोधि वृक्ष भी महेंद्र का लगाया हुआ नहीं है, उसका वंशज है, जो उस स्थान पर आज तक किसी-न-किसी तरह से कायम है। 3. (i) महा+इंद्र (ii) स्थित **(ग)** 1. सीताएलिया के चारों ओर पहाड़ हैं। ऐसा मालूम होता है, कि प्रकृति ने मानो एक कटोरा बना दिया है, जिसकी दीवारें पहाड़ की हैं और जिसके पेंदे में एक छोटा-सा झरना है। 2. सीताएलिया के चारों ओर स्थित पहाड़ की मिट्टी बिल्कुल राख जैसी थी। 3. लेखक अशोक वृक्ष के पत्ते और राख अपने साथ इसलिए लाए क्योंकि इनको देखकर रामायण में वर्णित अशोक वाटिका और हनुमान जी द्वारा, श्रीलंका के जलाए जाने की बात याद आ गई थी। 4. अनुराधपुर में एक बहुत बड़ा स्तूप है। अशोक के पुत्र महेंद्र ने, यहीं 'गया' से लाई हुई महाबोधि वृक्ष की एक शाखा लगाई थी। 5. अनुराधपुर में महाबोधि वृक्ष वाले स्थान पर जो दीप जल रहा था, वह भी महेंद्र का जलाया हुआ है। उस समय से आज तक वह दीप कभी बुझा नहीं है। बौद्धों ने उसे बाईस-तेईस सौ बरसों से लगातार जलाए रखा है। **भाषा की बात–(क)** स्+न्+आ+न्+अ, श्+र्+ई+ल्+अं+क् +आ, म्+अ+द्+र्+आ+स्+अ **(ख)** 1. पत्थरों से भरी 2. जिसने दीक्षा ली हो 3. वर्णन किया हुआ। **(ग)** 1. करवाए 2. बनवाए 3. लगवाया 4. करवाया **(घ)** दृश्य बहुत ही सुंदर था। हृदय पर उसका प्रभाव पड़ा। हम उपदेश को समझ तो न सके, पर वहाँ बैठी हुई श्रोतामंडली बीच-बीच में जो 'साधु! साधु! कह उठती थी, उसे हम समझ सके। **करने की बारी–**स्वयं करें।

6. जलाते चलो

(क) 1. दीये 2. असंख्य 3. नाव 4. तूफ़ान **(ख)** जला दीप पहला तुम्हीं ने तिमिर की चुनौती प्रथम बार स्वीकार की थी। तिमिर की सरित पार करने, तुम्हीं ने बना दीप की नाव तैयार की थी। **(ग)** 1. समय इस बात का गवाह है कि जलते हुए अनगिनत दीये हवा ने बुझाए हैं। 2. पहली बार दीये की लौ जलने पर कवि यह विश्वास व्यक्त करता है कि कभी तो पृथ्वी का अँधेरा मिटेगा। 3. 'दीये और तूफ़ान की कहानी' से यह आशय है कि दोनों एक-दूसरे के विरोधी हैं। 4. यदि धरा पर एक भी दिया या प्रकाश का स्रोत रहेगा तो रात्रि को सवेरा मिल जाएगा। **भाषा की बात–(क)** **धरा–**भूमि, धरती **नाव–**नौका, तरणि **नदी–**सरिता, सरित **पवन–**वायु, हवा **रात–** रजनी, निशा **स्वर्ण–**सोना, कनक **(ख)** दीप-पुल्लिंग, चुनौती-स्त्रीलिंग, नाव-स्त्रीलिंग, किनारा-पुल्लिंग, तूफ़ान-पुल्लिंग, लौ- स्त्रीलिंग। **(ग)** उजाला, आखिरी, अस्वीकार, आकाश, अनेक, रात **(घ)** कही, अनकही; बन, अनबन; जाना, अनजाना; देखा, अनदेखा **(ङ)** स्वयं करें। **करने की बारी–**स्वयं करें।

7. गिल्लू

(क) 1. मेज़ पर 2. चावल 3. काजू 4. ये दोनों 5. लगभग दो वर्ष **(ख)** 1. गिल्लू 2. बसंत 3. अस्पताल 4. सुराही 5. जाली **(ग)** 1. रोएँ 2. पूँछ 3. आँखें 4. मरहम 5. चुन्नट **(घ)** 1.
एक दिन सवेरे बरामदे में लेखिका ने देखा कि दो कौए गमले के चारों ओर छुआ-छुऔवल जैसा खेल खेल रहे हैं। निकट जाकर देखा, गिलहरी का एक छोटा-सा बच्चा था। जो संभवत: घोंसले

से गिर पड़ा था और कौए उसमें सुलभ आहार खोज रहे थे। वह निश्चेष्टसा गमले के पास पड़ा था। 2. लेखिका ने फूल रखने की एक हल्की डलिया में रुई बिछाकर, उसे तार से खिड़की पर लटका दिया। वही दो वर्ष तक गिल्लू का घर रहा। 3. लेखिका ने कीलें निकालकर जाली का एक कोना खोल दिया और इस मार्ग से गिल्लू बाहर जाने लगा। 4. गिल्लू का प्रिय भोजन काजू था। वह लेखिका की थाली में से एक-एक चावल उठाकर बड़ी सफ़ाई से खाता था। 5. लेखिका के अस्वस्थ होने पर गिल्लू तकिए पर सिरहाने बैठकर, अपने नन्हे-नन्हे पंजों से लेखिका के सिर और बालों को धीरे-धीरे सहलाता था। **भाषा की बात– (क)** दुर्लभ, दीर्घ, अनावश्यक, स्थिर, दूर, अस्वस्थ, दिवा **(ख)** सर्दी, अक्लमंदी, समझदारी, गुलामी, आज़ादी, शैतानी **(ग)** 1. तेज़ी 2. दोपहर 3. दिन भर 4. रात। **करने की बारी–**स्वयं करें।

8. मेरी माँ

(क) 1. संस्मरण 2. शाहजहाँपुर में 3. ग्यारह वर्ष 4. उनकी माता ने 5. रामप्रसाद बिस्मिल **(ख)** 1. पाठ का नाम 'मेरी माँ' और लेखक का नाम राम प्रसाद बिस्मिल है। 2. राम प्रसाद बिस्मिल की 3. शाहजहाँपुर 4. माताजी ने विवाह के पश्चात् पढ़ना आरंभ किया और गृहकार्यों को करने में वे सक्षम थीं। **(ग)** 1. लेखक को फाँसी होने वाली थी इसलिए वे यह सोच रहे थे कि माँ का ऋण मैं अब नहीं उतार पाऊँगा। 2. कैद में रहकर तथा फाँसी की सजा हो जाने पर वे अपनी माँ के प्रति सोच रहे थे कि माँ ने अब तक मुझे हर स्थिति में सँभाला था, अधीर होने से रोका था। मुझे कोई कष्ट नहीं होने दिया। लेकिन मैं माँ के प्रति अपना कर्तव्य नहीं निभा सकता। माँ की सेवा करके मैं अपना जीवन सफल बना सकता था। **(घ)** 1. वकील ने बिस्मिल से उनके पिताजी की अनुपस्थिति में उनके हस्ताक्षर करने को कहा था। बिस्मिल को यह कार्य गलत लगा। इसलिए उन्होंने वकालतनामे पर हस्ताक्षर नहीं किए। 2. बिस्मिल की माता जी का सबसे बड़ा आदेश उनके लिए यह था, कि किसी की प्राणहानि न हो। उनका कहना था, कि अपने शत्रु को भी कभी प्राणदंड न देना। 3. जब से बिस्मिल ने आर्यसमाज में प्रवेश किया, तब से उस समय की अपेक्षा, उनकी माता जी के विचार अधिक उदार हो गए थे। 4. बिस्मिल की एकमात्र इच्छा एक बार श्रद्धापूर्वक अपनी माता के चरणों की सेवा करके, अपने जीवन को सफ़ल बना लेने की थी। उन्हें यह इच्छा इसलिए पूर्ण होती दिखाई नहीं दे रही थी क्योंकि उन्हें देशसेवा के लिए मृत्युदंड मिल रहा था। 5. गुरु गोबिंद सिह जी की धर्मपत्नी ने गुरु के नाम पर धर्म-रक्षार्थ अपने पुत्रों के बलिदान पर मिठाई बाँटी थी। **भाषा की बात–कमल–**जलज, पंकज **किरण–**रश्मि, अंशु **झंडा–**ध्वज, पताका **आभूषण–**गहना, जेवर **(ख)** प्रतिकूल, अनुतीर्ण, कृतघ्न, अनुत्साह, अशिक्षित, असाधारण **(ग)** स्वयं करें। **करने की बारी–**स्वयं करें।

9. ईदगाह

(क) 1. प्रभात 2. ईद 3. अमीना 4. दो-दो पैसे के 5. तीन पैसे में **(ख)** 1. ईद 2. चार-पाँच 3. बराबर 4. चिमटे 5. ग्यारह **(ग)** ईद के दिन की चमक एवं उल्लास को देखकर सभी मुस्लिम लोग अत्यंत प्रसन्न हैं तथा सभी ईद को मनाने के लिए अति उत्साहित हैं। **(घ)** 1. क्योंकि ईद के दिन बच्चों को नए-नए वस्त्र, खिलौने एवं मिठाइयाँ मिलने वाली हैं और उन्हें ईदगाह जाना है। 2. हामिद, चार-पाँच साल का गरीब-सूरत, दुबला-पतला लड़का है। उसके पास तीन पैसे हैं। 3. हामिद के दोस्त महमूद ने सिपाही, मोहसिन ने भिश्ती, नूरे ने वकील खरीदा। 4. अपना उपहार (चिमटा) देखकर अमीना बहुत गुस्सा व दुखी हुई। 5. इस पाठ से हमें यह सीख मिलती है कि

हमें अपने बड़े-बूढ़ों के कष्टों को यथासंभव दूर करने का प्रयास करना चाहिए। **भाषा की बात–(क) सूर्य**–दिनकर, दिवाकर **पेड़**–वट, वृक्ष **पानी**–जल, नीर **माँ**– जननी, अंबा **(ख)** 1. मृत्यु होना 2. घबराहट होना 3. रक्षा करना 4. इच्छाएँ उमड़ना 5. टूट पड़ना 6. इच्छा पूरी करना 7. खुशियाँ बिखेर देना 8. मुँह की ओर एकटक देखना 9. नष्ट हो जाना 10. दुःख मनाना 11. अत्यधिक प्रसन्न होना **(ग)** अधिक, प्राण, वस्तु, दृष्टि, भंडार, आनंद **करने की बारी**–स्वयं करें।

10. जगदीश चंद्र बसु

(क) 1. भगवान चंद्र बसु 2. लंदन 3. वनस्पति विज्ञान में 4. अकाल-पीड़ित हेतु **(ख)** 1. कर्तव्यपरायण 2. जिज्ञासु 3. तीन 4. शीत 5. सम्मानित **(ग)** 1. बी० एस-सी० करने के बाद जगदीश चंद्र कोलकाता वापस आ गए। 2. जगदीश चंद्र बसु प्रेसीडेंसी कॉलेज में भौतिक विज्ञान के प्राध्यापक बन गए। 3. प्रेसीडेंसी कॉलेज के अधिकांश प्राध्यापक अंग्रेज़ थे। 4. अंग्रेज़ी सरकार की भेदभावपूर्ण नीति के कारण, वहाँ पर नियुक्त भारतीय प्राध्यापकों को अंग्रेज़ प्राध्यापकों की तुलना में आधा वेतन दिया जाता था। जगदीश चंद्र बसु के लिए यह भेदभाव की बात असहनीय थी। 5. उपसर्गयुक्त दो शब्द-प्राध्यापक, विज्ञान। प्रत्यययुक्त दो शब्द-भौतिक, भारतीय। **(घ)** 1. जगदीश चंद्र बसु का जन्म 30 नवंबर 1858 ईस्वी को बंगाल के मैमनसिंह जिले के विक्रमपुर नामक गाँव में हुआ था। 2. जगदीश चंद्र बसु अत्यंत जिज्ञासु प्रकृति के बालक थे। 3. उस समय प्रेसीडेंसी कॉलेज के अधिकांश प्राध्यापक अंग्रेज़ थे। अंग्रेज़ी सरकार भारतीय प्राध्यापकों के साथ भेदभाव करती थी। भारतीय प्राध्यापकों को अंग्रेज़ प्राध्यापकों की तुलना में आधा वेतन दिया जाता था। जगदीश चंद्र बसु के लिए यह भेदभाव असहनीय था। उन्होंने तीन वर्ष तक संघर्ष किया और वेतन नहीं लिया। अंत में उनकी योग्यता के सामने कॉलेज़ के व्यवस्थापकों को झुकना पड़ा और पिछले तीन वर्षों का पूरा वेतन देना पड़ा। इस विजय ने उन्हें बहुत लोकप्रिय बना दिया। 4. जगदीश चंद्र बसु ने पौधों के बारे में यह सिद्ध कर दिखाया, कि पौधों में भी अन्य प्राणियों की तरह जीवनधारा प्रवाहित होती है। वे शीत से सिकुड़ते हैं। मादक द्रव्य देने पर उन्हें भी मनुष्य के समान नशा हो जाता है और विष से उनकी मृत्यु हो जाती है। उन्होंने यह भी सिद्ध कर दिया, कि पौधे भी मनुष्य की तरह सोते-जागते हैं, हँसते-रोते हैं। 5. जगदीश चंद्र बसु की इच्छा वैज्ञानिक ज्ञान का विस्तार करना थी वह इच्छा उनके द्वारा 'बोस संस्थान' स्थापित करके हुई। यह संस्थान आज वैज्ञानिक अनुसंधान का प्रमुख केंद्र है। **भाषा की बात–(क)** 1. अनुकूल, अनुसार 2. समाहार, समानुपात 3. प्रहार, प्रबल 4. अनदेखा, अनकही **(ख)** 1. संसार, दुनिया 2. जननी, माँ 3. वृक्ष, वट 4. मानव, मनुज **(ग)** स्वयं करें। **(घ)** स्वयं करें। **करने की बारी**–स्वयं करें।

11. बाल लीला

(क) 1. चंद्र 2. माखन 3. सुरभी 4. बैर 5. बहियन **(ख)** स्वयं करें। **(ग)** 1. उपर्युक्त पद्यांश के रचयिता सूरदास हैं। वे भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन कर रहे हैं। 2. बालक कृष्ण अपनी माँ से रूठ गए हैं। वे अपनी माँ से चंद्रमा को खिलौने के रूप में लेने की जिद करते हैं। 3. कृष्ण जी अपनी माँ को धमकी देते हैं–यह अपनी लुटिया और कंबल ले लो। अब मैं गाय चराने का काम नहीं करूँगा। 4. दूध, पुत्र, बाल सँवारना, पुत्र **(घ)** 1. श्री कृष्ण अपनी माँ से चंद्रमा लेने की ज़िद कर रहे हैं। 2. माँ भोर होते ही कृष्ण को गाय चराने के लिए भेज देती हैं। 3. माखन उनके मुँह में लगा रह जाता है। 4. श्री कृष्ण छींके तक इसलिए नहीं पहुँच पाते है क्योंकि

उनकी बाँहें अभी छोटी हैं। 5. लुटिया और कंबल। **भाषा की बात–(क)** नाच, गैया, घर, पूत, साँझ, सिर, पहर, धरनि **(ख)** पायो, लगायो, जायो, पठायो, जनैहों, लैहों **(ग)** स्वयं करें। **करने की बारी–**स्वयं करें।

12. अन्याय के विरुद्ध

(क) 1. तीन 2. ग्यारह 3. रूस 4. रूस 5. इकतालीस **(ख)** 1. तनख़्वाह 2. स्वर 3. चेहरा 4. पैसे 5. डायरी **(ग)** 1. जूलिया ने लेखक से 2. लेखक ने जूलिया से 3. लेखक ने जूलिया से 4. जूलिया ने लेखक से **(घ)** 1. अपनी बात कह पाने की क्षमता का होना जीवन में बहुत ज़रूरी है। 2. ताकि वह समझ जाए कि दब्बूपन से कितनी हानि होती है। 3. लेखक ने जूलिया के साथ छोटा-सा क्रूर मज़ाक उसे सबक सिखाने के लिए किया। 4. अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए इस कठोर, निर्मम और हृदयहीन संसार से लड़कर अपना अधिकार माँगना होगा। क्योंकि इस संसार में दब्बू, भीरू और कमज़ोर लोगों के लिए कोई जगह नहीं है। 5. लेखक का व्यवहार देखकर जूलिया की आँखें आँसुओं से भर उठीं। उसके पूरे शरीर पर पसीना छलछला आया। **भाषा की बात–(क)** कवयित्री, प्याली, मालकिन, बच्ची, लेखिका, अध्यापिका **(ख)** स्वयं करें। **(ग)** 1. मैं 2. तुम 3. वह 4. तुम्हें 5. यह, मुझे **करने की बारी–**स्वयं करें।

13. तिवारी का तोता

(क) 1. तिवारी का दिया हुआ दाना 2. तिवारी के बेटे ने उसके कई बार लोहे की सींक चुभाई थी। 3. दूसरे दिन फिर आने की **(ख)** 1. जंगल 2. समझ 3. मौत 4. मालिक 5. तोते **(ग)** 1. जंगल के तोते ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि पिंजरे को तोता पिंजरे व पिंजरे के जीवन की तारीफ कर रहा था। 2. वह जंगल से यह बताने के लिए आया था कि पिंजरे का तोता अभागा है। 3. **आँख–**नेत्र, चक्षु **देह–**शरीर, काया **जंगल–**वन, अरण्य **(घ)** 1. उसे अच्छा भोजन व सुरक्षा प्राप्त थी। 2. पिंजरे का तोता गुलाम था जंगल का तोता आजाद था। पिंजरे का तोता पिंजरे में सुरक्षित था। जंगल के तोते को जंगल में अन्य जंतुओं से खतरा था। 3. तिवारी का तोता खुद को खुशकिस्मत इसलिए समझता था क्योंकि तिवारी ने उसके लिए पिंजरा बना दिया था वरना कौन उसे पानी पिलाता? कौन उसे दाना खिलाता? कौन रात के जाड़े और अँधेरे में उसकी रक्षा करता? और उसके पड़ोस में बिल्लियाँ बहुत हैं, वे उसे खा जातीं। 4. तिवारी के तोते ने उसके बेटे की बात का जवाब इसलिए नहीं दिया क्योंकि वह सोच रहा था कि मैं उसकी बात का क्यों जवाब दूँ? मैं इसका गुलाम नहीं हूँ। 5. कभी-कभी मनुष्य गुलामी के सुखों में इतना डूब जाता है, कि वह आज़ादी का मूल्य और आनंद ही भूल जाता है। सच्चा सुख तो आज़ादी में ही है। लेखक ने दो तोतों के माध्यम से आज़ादी के महत्व का संदेश दिया है। **भाषा की बात–(क) कार–**उपकार, बेकार **हाल–**बेहाल, निहाल **राज–**स्वराज, अधिराज **आत्मा–**परमात्मा, दुरात्मा **भाग्य–**सौभाग्य, दुर्भाग्य **(ख)** दैनिक, जंगली, हैरान, कैदी, आज़ाद, रंगीन, मजबूत, दयालु

15. सोना

(क) 1. छात्रावास में 2. बिल्ली का 3. सोना को 4. सोना को **(ख)** 1. मृग 2. कार्यकलाप 3. स्नेह प्रदर्शन 4. पैरों 5. गोधूलि **(ग)** 1. वह अपना उल्लास व्यक्त करने के लिए उसके सिर के ऊपर छलाँग लगाने कै लिए उसके पास उपस्थित नहीं थी। 2. क्योंकि वह आने के साथ ही लेखिका को सोना की मृत्यु का दुखद समाचार नहीं देना चाहता था, 3. (i) सु+आगत (ii) ता **(घ)** 1. लेखिका के प्रति स्नेह-प्रदर्शन के सोना के कई प्रकार थे। बाहर खड़े होने पर वह सामने

या पीछे से छलाँग लगाती और लेखिका के सिर के ऊपर से दूसरी ओर निकल जाती। घर के भीतर आने पर वह लेखिका के पैरों से अपना शरीर रगड़ने लगती। लेखिका के बैठे रहने पर वह साड़ी का छोर मुँह में भर लेती। 2. फ़्लोरा सोना के संरक्षण में अपने बच्चों को छोड़कर इसलिए चली जाती थी क्योंकि वह सोना की स्नेही और अहिंसक प्रकृति से परिचित हो गई थी। 3. सोना घास पर लेट जाती और कुत्ते-बिल्ली उस पर उछलते-कूदते रहते। कोई उसके कान खींचता, कोई पैर और जब वे इस खेल में तन्मय हो जाते, तब वह अचानक चौकड़ी भरकर भागती और वे गिरते-पड़ते उसके पीछे दौड़ लगाते। 4. लेखिका के भोजन के समय सोना ठीक उसी समय भीतर आ जाती और तब तक उनसे सटकर खड़ी रहती जब तक उनका खाना समाप्त न हो जाता। कुछ चावल, रोटी आदि उसका भी प्राप्य रहता था, परंतु वह कच्ची सब्ज़ी ही अधिक खाती थी। 5. छात्रावास के सन्नाटे और फ़्लोरा के तथा लेखिका के अभाव के कारण सोना इतनी अस्थिर हो गई थी कि इधर-उधर खोजती-सी वह प्राय: कंपाउंड से बाहर निकल जाती थी। इतनी बड़ी हिरनी को पालनेवाले तो कम थे, परंतु उसमें खाद्य और स्वाद प्राप्त करने के इच्छुक व्यक्तियों का बाहुल्य था। इसी आशंका से माली ने उसे मैदान में एक लंबी रस्सी से बाँधना आरंभ कर दिया। एक दिन बंधन की सीमा भूलकर, वह बहुत ऊँचाई तक उछली और रस्सी के कारण मुँह के बल धरती पर आ गिरी और उसकी मृत्यु हो गई। **भाषा की बात–(क) शरीर–** तन, काया **पानी–**जल, नीर **आँख–**नेत्र, चक्षु **मृग–**सारंग, हिरण **(ख)** दया+आनंद, विद्‌या+अर्थी, छात्र+आवास, शैशव+अवस्था **(ग)** 1. प्र, दर्शन 2. वि, चित्र 3. अ, नाथ 4. अ, समर्थ **(घ)** स्वयं करें।

16. यह है भारत देश हमारा

(क) 1. हिमालय को 2. भगवान 3. गंगा में 4. भारत को 5. ऋषियों ने **(ख)** 1. सम्मानित जो सकल विश्व में, महिमा जिनकी बहुत रही है। अगर ग्रंथ वे सभी हमारे, उपनिषदों का देश यही है। यह है देश हमारा भारत, पूर्ण-ज्ञान का शुभ्र निकेतन। यह है देश जहाँ पर बरसी बुद्‌धदेव की करुणा चेतन। **(ग)** 1. कवि का नाम सुब्रह्मण्यम भारती और कविता का नाम 'यह है भारत देश हमारा' है। 2. महारथीगण से कवि का तात्पर्य शूरवीर (रथ पर सवार) है। 3. नारद देव पुत्र थे, उनके गान मधुर थे। 4. सर्वोत्तम **(घ)** 1. इस कविता में भारत के लिए सम्मानित, सर्वोत्तम, पुरातन अतिभव्य, आर्यभूमि, उत्कर्षमयी शब्दों का प्रयोग किया गया है। 2. हिमालय की ऊँची चोटी, गंगा की पवित्र धारा और वेदोपनिषद आदि अमर ग्रंथों के कारण भारत श्रेष्ठ देश है। 3. इस कविता में हिमालय के बारे में कहा गया है कि हिमालय पर्वतों का राजा है। 4. भारत की पुण्यभूमि हमें मिसरी, शहद, मेवा, सारे फल, चावल, विविध अन्न और दूध प्रदान करती है। 5. इस कविता में भारतवासियों की वीरता, ज्ञान, महानता का उल्लेख हुआ है। **भाषा की बात–(क)** 1. मत + अनुसार 2. सिंह + आसन 3. पर्वत + आरोहण 4. पुस्तक + आलय **(ख)** लाल + इमा, स्वर्ण + इम, धन + वान, चमक + ईला, बाल + पन, गर्म + आहट **(ग) विश्व–**संसार, दुनिया **हिमालय–**पर्वतराज, नगराज **गंगा–**सुरसरि, देवनदी **अमृत–** सुधा, पीयूष **करने की बारी–**स्वयं करें।

17. छींक

(क) 1. विष्णु भगवान को 2. गायत्री 3. गाय के स्थान पर भैंस लाने के कारण 4. मिर्च कूटे जाने के कारण **(ख)** 1. गायत्री ने अपने पति से 2. गायत्री ने अपने पति से 3. गायत्री ने अपने

पति से 4. संपत ने पंचम से 5. पंचम ने देवीदीन से **(ग)** 1. घर से चलते समय नेवले का देखना अच्छा शकुन माना जाता है। 2. संपत से 3. शास्त्री, पकड़ी **(घ)** 1. पंडित जी ने स्वप्न में भगवान विष्णु से माँगा कि लाला हरकिसान दास की लड़की जानकी की शादी मनोहरलाल के लड़के से करवा दो। 2. पंडित पंचम मिसिर ने ग्वाले से कहलवाया कि जब मैं चलूँ तो गाय और बछड़ा लेकर मेरे सामने दूध दुह देना। 3. घर से बाहर निकलते समय छींक आना या बिल्ली का रास्ता काट जाना अपशकुन माना जाता है। घर से चलते समय नेवले का देखना अच्छा शकुन माना जाता है। 4. पंडित मिसिर ने जल पुराण के विषय में गायत्री को बताया कि जल के देवता हैं वरुण भगवान, और वरुण भगवान का स्थान है नाक। छींक में नाक से पानी निकलता है। इसलिए हमारे ऋषि-मुनियों ने छींक का वर्णन जल पुराण में किया है। 5. पंचम मिसिर देवीदीन पर इसलिए नाराज़ हो रहे थे क्योंकि वह गाय के बदले भैंस ले आया था। इससे पंचम मिसिर के अनुसार सारा शकुन खराब हो गया है। **भाषा की बात– (क)** ग्वाला-पुल्लिंग, हाथी-पुल्लिंग, नानी-स्त्रीलिंग, पंडित-पुल्लिंग, बिल्ली-स्त्रीलिंग, चूहा-पुल्लिंग **(ख)** 1. प्+अं+च्+आ+अं+ग्+अ 2. स्+इ+द्+ध्+इ 3. म्+उ+ह्+ऊ+र्+ त्+अ 4. त्+र्+इ+व्+ए+ण्+ई **(ग)** 1. कार्य में सिद्धि 2. चूहे की दानी 3. गिर को धारण करने वाला 4. तीन वेणियों का समाहार। **करने की बारी–**स्वयं करें।

19. आप भले, तो जग भला

(क) 1. अपना प्रतिबिंब 2. भौंकना 3. अपनी दुम हिलाता है 4. अमेरिका **(ख)** 1. सभी लोग हँसते हुए व्यक्ति को देखना पसंद करते हैं। रोते या गुस्सैल व्यक्ति को सभी नापसंद करते हैं। 2. मीठी चीजें व मीठी बोली सभी को प्रिय है। 3. किसी को उपदेश देना सबसे सरल काम माना जाता है लेकिन अपने उपदेश पर कार्य करना कठिन है। 4. यहाँ हम विभिन्न प्रकार के व्यवहारों का प्रयोग करते हैं। 5. जंतु भी प्रेम की भाषा समझते हैं तो मनुष्य को भी इनसे कुछ सीखना चाहिए। **(ग)** 1. हमारी जिन त्रुटियों की ओर निंदक हमारा ध्यान खींचता है, उन अवगुणों को दूर करना हम सभी का कर्तव्य हो जाता है। 2. जिसने हमारी त्रुटियों की ओर हमारा ध्यान दिलाया, हमें उसका उपकार मानना चाहिए। 3. एक दिन सज्जन से कुछ गलती हो गई। मित्र उनसे तुरंत बिगड़कर बोले, ''देखिए महाशय, यह आपकी सरासर गलती है। आइंदा ऐसा करेंगे तो ठीक नहीं होगा।'' 4. महाशय जी बड़े दु:खी हुए। उनके मन में क्रोध जाग्रत हुआ और वे बिना कुछ उत्तर दिए ही उठकर चले गए। **(घ)** 1. पहला कुत्ता काँच के महल में काँच के हज़ारों टुकड़ों में अपनी शक्ल देखकर चौंका। उसने जिधर नज़र डाली, उधर ही उसे हज़ारों कुत्ते दिखाई दिए। उसने समझा, कि ये सब उस पर टूट पड़ेंगे और उसे मार डालेंगे। अपनी शान दिखाने के लिए वह भौंकने लगा, उसे सभी कुत्ते भौंकते हुए दिखाई पड़े। उसकी आवाज़ की ही प्रतिध्वनि उसके कानों में ज़ोर-ज़ोर-से आई। उसका दिल धड़कने लगा। वह और ज़ोर-से भौंका। सब कुत्ते भी अधिक ज़ोर से भौंकते दिखाई दिए। आख़िर वह उन कुत्तों पर झपटा, वे भी उस पर झपटे। बेचारा ज़ोर-ज़ोर से उछला, कूदा, भौंका और चिल्लाया। अंत में गश खाकर गिर पड़ा। 2. दूसरे कुत्ते को भी काँच के महल में हज़ारों कुत्ते दिखाई दिए। वह डरा नहीं, प्यार से उसने अपनी दुम हिलाई। सभी कुत्तों की दुम हिलती हुई दिखाई दी। वह खूब खुश हुआ और कुत्तों की ओर अपनी पूँछ हिलाता हुआ बढ़ा। सभी कुत्ते उसकी ओर दुम हिलाते हुए बढ़े। वह प्रसन्नता से उछला-कूदा, अपनी ही छाया से खेला, खुश हुआ और फिर पूँछ हिलाता हुआ बाहर चला गया। 3. बापू अपनी

अहिंसा को सीमेंट इसलिए कहते थे क्योंकि उससे उनके आश्रम में रहने वाले सभी लोग एक साथ मिलकर रहते थे। 4. इमर्सन गायें पालने का शौक था। इसलिए को गायें और नन्हे बछड़े उनके मकान के पास एक कुटी में रहते थे। एक बार ज़ोर की बारिश आने वाली थी। सभी गायें तो झोंपड़ी के अंदर चली गईं, पर एक बछड़ा बाहर ही रह गया। इमर्सन और उनका लड़का दोनों मिलकर उस बछड़े को पकड़कर खींचने लगे, कि वह कुटी में चला आए पर ज्यों-ज्यों उन्होंने ज़ोर से खींचना शुरू किया, त्यों–त्यों वह बछड़ा भी सारी ताकत लगाकर पीछे हटने लगा। बेचारे इमर्सन इससे बड़े परेशान हुए। 5. बूढ़ी नौकरानी अपना अँगूठा बछड़े के मुँह में प्यार से डालकर उसे झोंपड़ी की तरफ़ ले जाने लगी। बछड़ा चुपचाप कुटी के अंदर चला गया। इससे यह बात स्पष्ट होती है कि जानवर भी प्रेम की भाषा समझते हैं। **भाषा की बात–(क)** शिष्टता, पुरातन, नीरस, निरर्थक, हिंसा, मित्र **(ख) समुद्र**–सागर, जलधि **पुष्प**–प्रसून, फूल **आम**–आम्र, रसाल **संसार**–दुनिया, विश्व **(ग)** स्वयं करें। **(घ)** विशाल, हज़ारों, प्रत्येक, क्रोधी, कड़ी, सारी **करने की बारी**–स्वयं करें।

20. नेकी का फल

(क) 1. रिसीवर 2. स्कारबरो में 3. ये दोनों 4. 300 डॉलर 5. निःस्वार्थी लोगों का **(ख)** 1. 7 2. 7 3. 3 4. 3 5. 7 **(ग)** 1. उपर्युक्त विचार कारवास्की के मन में उठ रहे थे। 2. यदि उसने लिफ़ाफ़ा रख लिया होता, तो उसकी आत्मा उसे धिक्कारती। 3. भगवान ने उसकी परीक्षा ली थी। **(घ)** 1. लिल मिलर ने तोहफ़े के लिए कारवास्की को ही इसलिए चुना क्योंकि वह भला व सच्चा व्यक्ति था और वह लोगों की मदद करता था। 2. कारवास्की टोरंटो में गरीबी में व विकलांग शरीर के साथ कठिन परिस्थिति में रह रहा था। 3. लिल मिलर कारवास्की को कुछ और तोहफ़े देने के लिए वापस इसलिए आई क्योंकि वह उसकी ईमानदारी व सेवाभाव से बहुत प्रभावित थी और उसकी अधिक से अधिक सहायता करना चाहती थी। 4. दोनों ईमानदार और परोपकारी थे। 5. लिल मिलर ने कहानी के अंत में अपने आँसू पोंछते हुए कहा था कि धन्य हैं वे लोग, जो स्वार्थ में अंधे नहीं होते और प्रलोभनों के आगे नहीं झुकते। प्रभु सदा उनका साथ देते हैं। **भाषा की बात–(क)** घृणा, दंड, कभी-कभी, बेईमान, वृद्ध, अस्वीकार **(ख)** 1. आगंतुका 2. अपंग 3. कृतज्ञ 4. कृतघ्न **(ग)** स्वयं करें। **करने की बारी**–स्वयं करें।

21. बीमार का इलाज

(क) 1. विनोद 2. शांति 3. विनोद 4. विनोद 5. ऐलोपैथिक **(ख)** 1. कुंभकरण 2. भाग्य 3. नासमझ 4. ब्राह्मण 5. डॉक्टरों **(ग)** 1. डॉक्टर ने मंत्रों के बारे में कहा, ''मंत्रों से बीमारी अच्छी हो जाती, तो हम क्या भाड़-झोंकने को इतना पढ़ते! न जाने देश का यह अज्ञान कब दूर होगा! 2. दवा लिख देता हूँ, डिस्पेंसरी से मँगा लीजिएगा। दो-दो घंटे के बाद। 3. यू विल बी ऑल राइट विदन टू ऑर थ्री डेज़। बेचैनी मालूम हो, बुखार न उतरे, तो सिर पर बर्फ़ रखिएगा। **(घ)** 1. आगरा पहुँचने पर विनोद का मज़ा किरकिरा इसलिए हो गया क्योंकि उसे बुखार हो गया था। 2. विनोद के इलाज के लिए कांति का सुझाव था कि उसका इलाज होम्यौपेथी के डॉक्टर नानकचंद से कराया जाए। 3. परिवार के सदस्यों में विनोद के इलाज हेतु उचित डॉक्टर के चुनाव को लेकर झगड़ा था। 4. इस झगड़े का विनोद पर यह प्रभाव पड़ा कि उसका ठीक इलाज नहीं हो पाया। 5. विनोद के लिए सुखिया ओझा के झाड़-फूँक के इलाज के पक्ष में था। 6. चंद्रकांत आगरा का एक रईस था जो अंग्रेज़ी सभ्यता व रहन-सहन का प्रेमी था। उसकी उम्र 65 वर्ष थी।

भाषा की बात–(क) 1. **कांति**-चमक, **क्रांति**-परिवर्तन 2. **योग**- जोड़, **योग्य**-लायक 3. **कुल**-संपूर्ण, **कूल**-किनारा 4. **प्रसाद**-ईश्वर के भोग की सामग्री, **प्रसाद**-महल **(ख) आदमी**-मनुष्य, मनुज **मित्र**-सखा, दोस्त **बेटा**-पुत्र, सुत **माता**-जननी, माँ, **वायु**-हवा, समीर। **(ग)** 1. विनोद! तुम अभी तक चारपाई पर लेटे हो। 2. शाबाश! तुमने तो कमाल कर दिया। 3. अरे! तुम कब आए। 4. छि: छि:! इतना गंगा काम। 5. तुम कहाँ जा रहे हो? 6. वे दोनों दिन-रात परिश्रम करते हैं। 7. कांति, डॉक्टर साहब को बुला लाओ। 8. रवि ने कहा था, ''मैं कल सुबह अलीगढ़ जाऊँगा।'' **करने की बारी–**स्वयं करें।